में कुछ भी नहीं में कुछ भी नहीं सब श्याम तुम्हारी माया है

में कुछ भी नहीं में कुछ भी नहीं,
सब श्याम तुम्हारी माया है,
मैंने जो माँगा मैंने जो चाहा सब बाबा तुमसे पाया है,
में कुछ भी नहीं ......

मेरे नाम को बाबा नाम मिला जबसे मैंने तेरा नाम लिया,
सिर झुका नही जग के आगे जब से दामन तेरा थाम लिया,
गुण दिखे ज़माने को मेरे जब से गुण तेरा गाया है,
में कुछ भी नहीं ....

एक कदम नही मैं चल सकता जो बाबा तू मेरे साथ नही,
तेरा नाम भी लू बिन रजा तेरी इतनी भी मेरी औकात नही,
मेरा है बजूद तब तक बाबा जब तक मुझ पे तेरी छाया है,
में कुछ भी नहीं ......

जिस दिल में बाबा वास तेरा वहा गम का वसेरा कैसे हो,
जिस घर में तेरी जोत जले उस घर में अँधेरा कैसे हो,
उस भाग को दर क्या पटजढ़ का जिस भाग को तूने सजाया है,
में कुछ भी नहीं में कुछ भी नहीं ....

कोई अच्छे कर्म होंगे मेरे जो तुम जैसा दातार मिला,
मुझसे नफरत के पुतले को ए श्याम तुम्हारा प्यार मिला,
है असर तुम्हारी रहमत का सोनू जो कुछ बन पाया है
में कुछ भी नहीं

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3326/title/main-kuch-bhi-nhi-main-kuch-bhi-nhi-sab-shyam-tumhari-maya-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |